# डॉ. नरेंद्र भंडारी का जैन दर्शन में योगदान

डॉ नरेंद्र भंडारी ने जैन दर्शन की धारणाओं का विज्ञान से समन्वय करने में और वैज्ञानिक आधार स्थापित करने में विशेष योगदान किया है। अनेकांतवाद, स्याद्वाद और नयवाद, तथा सप्तभंगी का वैज्ञानिक दृष्टि से विवेचन, जैन लोकाकाश और आधुनिक वैज्ञानिक धारणाओं का तुलनात्मक अध्ययन, जंबुद्वीप के प्रति आगम में वर्णन का आधुनिक विज्ञान से विसंगतियों का टीटीयस-बोडे लॉ के संदर्भ में विश्लेषण और उन विसंगतियो का निवारण करने में उन्होंने नए तथ्य प्रस्तुत किए हैं। एथेंस, ग्रीस मैं आयोजित वर्ल्ड फिलोसॉफिकल कांग्रेस मैं भाग लेकर उन्होंने जैन धर्म की विशेषतओ के बारे में एक सत्र का आयोजन करने में विशेष भूमिका निभाई। उन्होंने परमाणु से पुदगल की प्रक्रियाओं को समझने के लिए जैन मॉडल ऑफ पार्टिकल फिज़िक्स विकसित किया और उसको स्टैंडर्ड मॉडल ऑफ पार्टिकल फिज़िक्स से तुलना कर जैन सिद्धांत की विशेषताएं प्रस्तुत की। उनके जैन दर्शन पर कई लेख अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। लॉस एंजिल्स मैं आयोजित JAINA conference में भाग लेकर उन्होंने 'चेतना' पर जैन चिंतन और आधुनिक वैज्ञानिक धारणाओं से तुलनात्मक अध्ययन को विश्वपटल पर प्रसारित किया। नौएटिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका की 2019 की मीटिंग में उन्होंने जैन धर्म की विशेषता पर एक भाषण दिया।

विज्ञान और जैन दर्शन के संदर्भ में इनकी पुस्तकें 'जिनत्व का पथ (हिंदी) और 'जैनिज़्म- दी इटर्नल एंड यूनिवर्सल पाथ टू एनलाइटनमेंट' (अंग्रेजी) भी प्रकाशित हुई है जो पाठकों में बहुत लोकप्रिय हुई। विज्ञान के परिपेक्ष्य में जैन दर्शन पर कई लेखों को संकलित कर उन्होंनें 'साइंटिफिक पर्सपेक्टिव्ज़ ऑफ़ जैनिज़्म' नामक पुस्तक सम्पादित की। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (IIT), मुंबई में एक 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन साइंस एंड जैन फिलोसोफी' आयोजित की गयी थी। डॉ. भंडारी ने उसके सम्पादक मंडल के सदस्य के रूप में उसमें प्रस्तुत पेपर्स व विचारों को संकलित कर उसकी प्रोसीडिंग्स 'जैन फिलोसोफी: ए साइंटिफिक एप्रोच टू रियलिटी' के नाम से सम्पादित की।

जैन दर्शन पर कार्य के लिए डॉ नरेंद्र भंडारी को इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी अहमदाबाद द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। बम्बई में द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस में कर्मवाद को आधुनिक विज्ञान के द्वारा सिद्ध करने के लिए उन्हें नेमीचंद्र सूरी अवॉर्ड फिर सम्मानित किया गया।

अभी प्रोफेसर भंडारी विज्ञान और अध्यात्म अनुसंधान संस्थान (साइंस एंड स्प्रिचुअलटी रिसर्च इंस्टिट्यूट) अहमदाबाद के प्रस्थापक, और जैन विद्वान एकेडमी के फाउंडर फेलो और अध्यक्ष है।